महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

पाठ्यक्रम एवं परीक्षा योजना

कला संकाय

बी.ए. पार्ट – I

विषय – संस्कृत

परीक्षा 2019

(सत्र 2018–2019)

बी.ए. पार्ट – I विषय – संस्कृत

सामान्य निर्देशः

1. प्रश्न–पत्र में कुल तीन खण्ड होंगे।

   खण्ड 'अ' में सभी 10 प्रश्न अनिवार्य होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों में दिया जाना है। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का होगा।

   खण्ड 'ब' में कुल 7 प्रश्न होंगे व परीक्षार्थी केवल 5 प्रश्नों के उत्तर देगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 200 शब्दों में दिया जाना है। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का होगा।

   खण्ड 'स' में कुल 4 प्रश्न होंगे। परीक्षार्थी इनमें से किसी दो प्रश्नों का उत्तर देगा। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द सीमा 500 शब्द होगी। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा।
2. परीक्षा का माध्यम संस्कृत, हिन्दी अथवा अंग्रेजी होगा।
3. प्रश्नपत्र केवल संस्कृत में बनाया जाएगा।
4. प्रत्येक प्रश्नपत्र में 10 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर देने के लिए निर्धारित हैं। अन्य प्रश्नों के उत्तर संस्कृत, हिन्दी अथवा अंग्रेजी में दिये जा सकते हैं।
5. संस्कृत एवं हिन्दी के लिए देवनागरी लिपि ही मान्य होगी।
6. विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों से अपेक्षा है कि अध्ययनाध्यापन का माध्यम संस्कृत हो।

पाठ्यक्रम एवं परीक्षा–योजना

दो प्रश्नपत्र		**न्यूनतम उत्तीर्णाङ्क 72**	**पूर्णाङ्क 200**
प्रथम प्रश्नपत्र	**समय 3 घंटे**	**न्यूनतम उत्तीर्णाङ्क 36**	**पूर्णाङ्क 100**
द्वितीय प्रश्नपत्र	**समय 3 घंटे**	**न्यूनतम उत्तीर्णाङ्क 36**	**पूर्णाङ्क 100**

प्रथम प्रश्नपत्र – प्राचीन संस्कृतसाहित्य एवम् अलङ्कार पूर्णाङ्क 100

पाठ्यक्रम

इकाई 1. नाटक – स्वप्नवासवदत्तम् (भासकृत) नाटक से व्याख्या और सामान्य प्रश्न

इकाई 2. वाल्मीकि कृत रामायण (बालकाण्ड, प्रथम सर्ग) अनुवाद और सामान्य प्रश्न।

इकाई 3. मनुस्मृति–(द्वितीय अध्याय) व्याख्या और प्रश्न

इकाई 4. हितोपदेश–मित्रलाभ (वृद्धवणिक् व लीलावती कथा को छोड़कर) गद्य एवं पद्य का अनुवाद और सामान्य प्रश्न

इकाई 5. अलंकार – काव्यदीपिका (अष्टमशिखा) से निम्नलिखित अलंकार निर्धारित हैं–

1. अनुप्रास, 2. यमक, 3. श्लेष, 4. उपमा, 5. उत्प्रेक्षा, 6. रूपक, 7.अपह्नुति, 8. समासोक्ति,

9. निदर्शना, 10. अतिशयोक्ति, 11. दृष्टान्त, 12. दीपक, 13. व्यतिरेक, 14. विभावना, 15. विशेषोक्ति, 16. अर्थान्तरन्यास, 17. भ्रान्तिमान्, 18. काव्यलिङ्ग, 19. परिसंख्या

उपर्युक्त अंलकारों के लक्षण एवम् उदाहरण।

अ. परीक्षकों के लिए सामान्य निर्देश :–

1. प्रश्न :– पत्र का निर्माण संस्कृत माध्यम से किया जाए।

2. प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स' खण्डों में विभक्त हो। खण्ड 'अ' के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से कम से कम 02 प्रश्न होना आवश्यक है। खण्ड 'ब' के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से कम से कम 01 प्रश्न होना आवश्यक है। खण्ड 'स' के अन्तर्गत एक इकाई में से अधिकतम एक प्रश्न होगा।
3. खण्ड 'अ' में से 5 प्रश्नों के उत्तर संस्कृत माध्यम से पूछे जायें।
4. पाठ्यक्रम में कुछ न कुछ परिवर्तन होता है, अतः पूर्ववर्ती प्रश्नपत्र को प्रमाण न मानें।

ब. परीक्षार्थी प्रत्येक प्रश्न के सभी भागों का उत्तर निरन्तर लिखें।

पाठ्यपुस्तकें एवं सहायक पुस्तकें

1. स्वप्नवासवदत्तम् (भास) – डॉ. श्रीकृष्ण ओझा, अभिषेक प्रकाशन, जयपुर
2. स्वप्नवासवदत्तम् (भास) – पं. तारिणीश झा
3. स्वप्नवासवदत्तम् (भास) – आ. जगदीश प्रसाद पाण्डेय, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली
4. स्वप्नवासवदत्तम् (भास) – डॉ. रूपनारायण त्रिपाठी, हंसा प्रकाशन, जयपुर
5. वाल्मीकि रामायण – बालकाण्ड (प्रथम सर्ग) – श्यामलाल शर्मा, अभिषेक प्रकाशन, जयपुर
6. वाल्मीकि रामायण – गीता प्रेस, गोरखपुर
7. मनुस्मृति (द्वितीय अध्याय) – डॉ. कमलनयन शर्मा, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर
8. मनुस्मृति (द्वितीय अध्याय) – हरगोविन्द शास्त्री, चौखम्बा संस्कृत संस्थान
9. मनुस्मृति (द्वितीय अध्याय) – गीता प्रेस, गोरखपुर
10. हितोपदेश (मित्रलाभ) – आ. शेषराज शर्मा, चौखम्बा प्रकाशन
11. हितोपदेश (मित्रलाभ) – आ. शिवप्रसाद द्विवेदी, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली
12. काव्यदीपिका – श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती
13. अलंकारामोद – डॉ. महाप्रभुलाल गोस्वामी, चौखम्बा संस्कृत–संस्थान
14. अलंकारप्रकाश – डॉ. जयमन्त मिश्र, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
15. धर्मशास्त्र का इतिहास – डॉ. पी.वी. काणे

द्वितीय प्रश्नपत्र

भारतीय संस्कृति के तत्त्व, पद्य साहित्य, अनुवाद एवं व्याकरण पूर्णाङ्क 100

पाठ्यक्रम

इकाई–1. **भारतीय संस्कृति के तत्त्व (वैदिक काल से सातवीं शताब्दी तक)**

(क) भारतीय संस्कृति – पृष्ठभूमि एवं विशेषताएँ

(ख) धार्मिक, सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक स्थिति

(ग) वर्ण, आश्रम एवं संस्कार (विवाहों के प्रकार सहित)

(घ) त्रिविध ऋण एवं पंच महायज्ञ

(ङ) शिक्षा

(च) भारतीय संस्कृति का मानव–कल्याण में योगदान

इकाई–2. **पद्य साहित्य – रघुवंश (कालिदास) द्वितीय सर्ग** – अनुवाद, व्याख्या एवं सामान्य प्रश्न।

इकाई–3. **अनुवाद** – (अ) हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद

(ब) अपठित संस्कृत–गद्यखण्ड का अर्थावबोध

इकाई–4. **व्याकरण**–लघुसिद्धान्तकौमुदी (संज्ञा–प्रकरण तथा अच्, हल् एवं विसर्गसन्धि प्रकरण)– सूत्रों की व्याख्या व प्रयोग सिद्धि अपेक्षित है।

इकाई–5. (अ) **शब्दरूप** – राम, सर्व, हरि, सखि, पति, गुरु, पितृ, मातृ, दातृ, गो, रमा, मति, नदी, स्त्री, धेनु, वधू, मातृ, ज्ञान, वारि, जगत्, नामन्, आत्मन्, युवन्, राजन्, विद्वस्, वाच्, दिश्, तद्, एतद्, किम्, अस्मद्, युष्मद्, इदम्, अदस्, एक से शतम् तक संख्यावाची शब्द। निर्धारित शब्दों में से दो अजन्त एवं दो हलन्त शब्दों का रूपलेखन

(ब) **धातुरूप** –

(i) भू एवं एध् के दस लकारों में रूप

(ii) पठ्, पच्, गम्, दृश्, सेव्, अद्, दुह्, हन्, दा, दिव्, तुद्, रुध्, तन्, ज्ञा, चुर् – इन धातुओं के लट्, लोट्, लङ्, विधिलिङ्ग एवं लृट्–इन लकारों में रूप प्रष्टव्य। निर्धारित धातुओं में से भू एवं एध् के 10 लकारों में रूपज्ञान एवं अन्य निर्धारित धातुओं के निर्धारित 5 लकारों में रूपज्ञान

अ. परीक्षकों के लिए सामान्य निर्देश :–

1. प्रश्न–पत्र का निर्माण संस्कृत माध्यम से किया जाए।
2. प्रश्न–पत्र इकाइयों में विभक्त हो। प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स' खण्डों में विभक्त हो। खण्ड 'अ' के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से कम से कम 02 प्रश्न होना आवश्यक है। खण्ड 'ब' के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई में से कम से कम 01 प्रश्न होना आवश्यक है। खण्ड 'स' के अन्तर्गत एक इकाई में से अधिकतम एक प्रश्न होगा।
3. खण्ड 'अ' में से 5 प्रश्नों के उत्तर संस्कृत माध्यम से पूछे जायें।
4. पाठ्यक्रम में कुछ न कुछ परिवर्तन होता है, अतः पूर्ववर्ती प्रश्न–पत्र को प्रमाण न मानें।

ब. परीक्षार्थी प्रत्येक प्रश्न के सभी भागों का उत्तर निरन्तर लिखे।

पाठ्यपुस्तकें एवं सहायक पुस्तकें–

1. भारतीय संस्कृति के मूल तत्त्व – डॉ. श्रीकृष्ण ओझा, आदर्श प्रकाशन, जयपुर
2. भारत की प्राचीन संस्कृति – डॉ. रामजी उपाध्याय
3. भारतीय संस्कृति – दामोदर सातवलेकर
4. भारतीय संस्कृति और कला – वाचस्पति गैराला

5. रघुवंश (द्वितीय सर्ग) – डॉ. जगन्नारायण पाण्डेय, जगदीश संस्कृत–पुस्तकालय
6. रघुवंश (द्वितीय सर्ग) – धारादत्त मिश्र, मोतीलाल बनारसीदास
7. रघुवंश (द्वितीय सर्ग) – ब्रह्मशंकर मिश्र, चौखम्बा संस्कृत–संस्थान
8. लघुसिद्धान्तकौमुदी – डॉ. रामविलास चौधरी, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
9. लघुसिद्धान्तकौमुदी – भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन, दिल्ली
10. लघुसिद्धान्तकौमुदी – डॉ. सुरेन्द्र देव स्नातक, चौखम्बा पब्लिशर्स, वाराणसी
11. लघुसिद्धान्तकौमुदी – डॉ. महेश सिंह कुशवाहा
12. लघुसिद्धान्तकौमुदी – हरेकान्त मिश्र, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली
13. रचनानुवादकौमुदी – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
14. लघुसिद्धान्तकौमुदी – श्रीधरानन्द शास्त्री
15. लघुसिद्वान्तकौमुदी – डॉ. जे.सी. नारायणन्
16. कालिदास – डॉ. मिराशी
17. कालिदास – चन्द्रबली पाण्डेय
18. अनुवाद चन्द्रिका – श्रीचक्रधर हंस नौटियाल, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली